

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | ಬೆಂಗಳೂರು और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

जयपुर में आवासीय फ्लैट्स

आज
अंतिम दिन

हेतु लॉटरी द्वारा आवंटन

बिंदायका, सिरसी रोड,
वैशाली नगर विस्तार, जयपुर

RERA REG. NO.: RAJ/P/2026/5154
www.rera.rajasthan.gov.in



आवेदन की अंतिम तिथि
15 जुलाई 2026

उपलब्ध फ्लैट	पंजीकरण राशि	मूल कीमत
2 BHK फ्लैट	₹96,000	₹42.0 लाख*
1 RK फ्लैट	₹66,000	₹22.0 लाख*

90% तक लोन उपलब्ध
विश्वस्तरीय क्लब हाउस व स्विमिंग पूल

केन्द्रीय व राज्य कर्मचारियों, कॉर्पोरेट्स एवं प्रवासी
राजस्थानवासियों के लिए **1 लाख रुपये** तक की विशेष छूट*

V PARK

**मुख्यमंत्री जन
आवास योजना – 3A**

के तहत जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा अनुमोदित
एवं रेरा में पंजीकृत आवासीय योजना

विकासकर्ता:
JPRPARK
INFRA LLP



9785 701 701
9785 401 401



आवेदन हेतु SCAN करें
www.vparkcmjay.in

*Terms & Conditions Apply



‘बैंक टू बचपन’ के माध्यम से महिलाओं ने पुरानी यादें ताजा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूर। स्थानीय व्यावर युवा लेडीज विंग द्वारा ‘बैंक टू बचपन’ कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसका उद्देश्य महिलाओं को बचपन की मधुर यादों से जोड़ना एवं पारंपरिक खेलों के माध्यम से

आनंदमयी वातावरण का सृजन करना था। कार्यक्रम में लगभग 60 महिलाओं ने भाग लिया तथा लेमन रस, बोरी रस, ऑक्टोपस रस, रस्सी कूद, घोड़ा रस एवं पजल्स जैसे बचपन के लोकप्रिय खेलों का भरपूर आनंद लिया। विभिन्न प्रतियोगिताओं में शौर्य टीम शानदार प्रदर्शन करते हुए विजेता बनी तथा मैंगो मिरस्टी टीम

उपविजेता रही। सभी टीमों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर व्यावर संघ के अध्यक्ष ललित डाकलिया, महामंत्री रूपचंद कुमट, कोषाध्यक्ष दिनेश लोढ़ा, युवा शाखा अध्यक्ष कुलदीप छाजेड़, महामंत्री चेतन रेदासनी, लेडीज विंग और कार्यक्रम के संयोजिका मोनिका कुमट, चंदू डाकलिया ने व्यवस्था संभाली

महाराष्ट्र में छह दिनों में बारिश संबंधी घटनाओं में 12 लोगों की मौत



मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र में आठ से 13 जुलाई के बीच बारिश और मौसम संबंधी घटनाओं में 12 लोगों की मौत हो गई, जबकि 21 अन्य घायल हुए हैं। राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एसडीएमए) ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

एसडीएमए की राज्य मंत्रिमंडल के समक्ष पेश रिपोर्ट के अनुसार, पुणे जिले का मोशी क्षेत्र सबसे अधिक प्रभावित रहा, जहां आठ जुलाई को इमारत गिरने की एक घटना में नौ लोगों की मौत हो गई और इतने ही लोग घायल हुए। रिपोर्ट में कहा गया कि राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ), सेना और स्थानीय दमकल कर्मियों सहित

आपातकालीन सेवा कर्मियों ने मलबे से नौ लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला। इसके अनुसार इन छह दिनों में अन्य मौतें ठाणे और कोल्हापुर में दीवार गिरने तथा धुले में बाढ़ के पानी में डूबने से हुई। एसडीएमए ने बताया कि जनवरी

2026 से अब तक राज्य में मौसम संबंधी घटनाओं में मरने वालों की कुल संख्या 105 हो गई है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के आंकड़ों के अनुसार, क्षेत्रवार बारिश का वितरण अब भी काफी असमान बना हुआ

है। एक जून से 13 जुलाई के बीच कोकण, पुणे और नासिक संभागों में 666.30 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई, जो 30 वर्षों के औसत 543.65 मिलीमीटर से 13 प्रतिशत अधिक है। इसके विपरीत, शेष राज्य संभागों में सामान्य

औसत 247.57 मिलीमीटर के मुकाबले केवल 178.60 मिलीमीटर बारिश हुई, जो 28 प्रतिशत की कमी दर्शाती है। एसडीएमए की रिपोर्ट के अनुसार, पालघर, मुंबई और पुणे जैसे जिलों में सामान्य से अधिक बारिश हुई, जबकि नंदुरबार और हिंगोली जैसे क्षेत्रों में भारी कमी दर्ज की गई। राज्य आपातकालीन संचालन केंद्र (एसईओसी) ने बताया कि स्थान-आधारित वास्तविक समय चेतावनी प्रणाली का व्यापक स्तर पर इस्तेमाल किया जा रहा है। मानसून गतिविधियों के तेज होने की संभावना को देखते हुए मुंबई, ठाणे, पालघर, रायगड, रत्नागिरि और सतारा सहित जोखिम वाले क्षेत्रों में एनडीआरएफ की 17 और राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) की छह टीम को पहले से तैनात किया गया है।

अमावस्या प्रसादी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

स्थानीय गुरु गणेश सेवा समिति, कर्नाटक बेंगलूर की ओर से मैसूरू बैंक सर्कल के हनुमान मंदिर के पास मंगलवार को 104वीं अमावस्या महाप्रसादी के तहत लोगों को भोजन वितरण किया गया। बाबूलाल, अशोककुमार रांका परिवार के सौजन्य से इस प्रसादी सेवा में चेयरमैन गौतमचन्द धारीवाल, कार्याध्यक्ष आशीष बाफना, उपाध्यक्ष अनिल बाफना, कोषाध्यक्ष मनोहरलाल बाफना सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे।

नगालैंड में आईईडी विस्फोट के बाद सुरक्षा बलों ने तलाशी अभियान तेज किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोहिमा/इंफाल/भाषा। नगालैंड में एक वाहन को निशाना बनाकर किए गए आईईडी विस्फोट के बाद सुरक्षा बलों ने मंगलवार को चुमोकेदिमा जिले में तलाशी अभियान तेज कर दिया। इस हमले में एक जवान की मौत हो गई, जबकि चार अन्य जवान और एक आम नागरिक घायल हो गए। एक रक्षा अधिकारी ने यह जानकारी दी।

अधिकारी के अनुसार, यह आईईडी विस्फोट सोमवार दोपहर सुखोवी के पास असम राइफल के एक वाहन के निकट हुआ। इस विस्फोट में जम्मू कश्मीर के रहने वाले हवलदार मोहम्मद इकबाल की मौत हो गई और असम राइफल के चार अन्य जवान घायल हो गए। रक्षा जनसंपर्क अधिकारी ने



बताया कि मंगलवार को असम राइफल और नगालैंड पुलिस की अतिरिक्त टुकड़ियों को इलाके में तैनात करने के साथ ही अभियान तेज कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि विस्फोट में घायल हुए सभी चार जवानों की हालत स्थिर है और हमले के लिए जिम्मेदार लोगों का पता लगाने के लिए अभियान जारी है। अधिकारियों ने बताया कि 28 असम राइफल के हवलदार मोहम्मद इकबाल सुखोवी स्थित ‘असम

राइफल ट्रेनिंग सेंटर एंड स्कूल’ में तैनात थे। अधिकारियों के अनुसार, इकबाल पुंछ जिले के कलार मोहड़ा गांव के रहने वाले थे। उनके परिवार में उनकी पत्नी नसीम अख्तर हैं।

उन्होंने बताया कि शहीद जवान के सम्मान में मंगलवार दोपहर को सुखोवी स्थित असम राइफल ट्रेनिंग सेंटर एंड स्कूल में पुष्पांजलि समारोह आयोजित किया जाएगा। अधिकारियों ने बताया कि विस्फोट के समय असम राइफल के जवान एक मिनी ट्रक में सवार थे। अधिकारियों ने बताया कि विस्फोट में उड़कर आई किसी चीज की चपेट में आने से पास मौजूद एक नागरिक के पैर में चोट लग गई। अधिकारियों ने बताया कि इसके अलावा, एक ऑटो-रिक्शा भी पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया।

इस बीच, एनएससीएन/जीपीआरएन (एनएससीएन-आईएम) ने मंगलवार को सुखोवी में खोपनाला के पास हुए विस्फोट की

कड़ी निंदा करते हुए इसे कायरतापूर्ण ‘आतंकवादी कृत्य’ बताया, जिसका उद्देश्य क्षेत्र में शांति भंग करना था।

एक बयान में, संगठन ने आईईडी और जवानों को निशाना बनाने वाली बारूदी सुरांगों के इस्तेमाल को अनुचित ठहराया। उसने चेतावनी दी कि ऐसे हमले आम नागरिकों की जान जोखिम में डालते हैं, जनता के बीच उर फैलाते हैं और उस शांति को नुकसान पहुंचाते हैं, जिसे क्षेत्र के लोगों ने सहजने के लिए कड़ी मेहनत की है। संगठन ने इस हमले से खुद को अलग करते हुए कहा कि यह विस्फोट के पीछे की सच्चाई का पता लगाना और इसके लिए जिम्मेदार लोगों की पहचान करना। उसने लोगों से घटना को लेकर अटकलें नहीं लगाने और सहयोग करने की अपील की, ताकि हमले के लिये जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह ठहराया जा सके। अब तक किसी भी उखावटी संगठन ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है।



नूतन नाकोड़ा मैरव भवन में हवन विधान सम्पन्न

बेंगलूर/ दक्षिण भारत । स्थानीय जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट द्वारा निर्मित नूतन नाकोड़ा भैरव भवन में मणिभद्र वीर हवन का आयोजन किया गया। विधि-विधान और हवन रोहित गुरु ने करवाया। ट्रस्ट के अध्यक्ष

तेजराज मालानी ने सकल संघ की खुशहाली की कामना की। महामंत्री कुशलराज गुलेच्छा ने बताया कि बुधवार को परमात्मा की स्नान पूजा और वास्तु पूजा की जाएगी। प्रवक्ता अरविन्द कोठारी ने बताया कि इसका विधिवत उद्घाटन शीघ्र ही

किया जाएगा। प्रचार प्रसार संयोजक ललित डाकलिया ने जानकारी देते हुए बताया कि समाज के लिए अनेक कार्यों में इस भवन की उपयोगिता रहेगी। हवन के मौके पर अनेक सदस्य उपस्थित थे।

यूसीसी पर अपना रुख स्पष्ट करे कांग्रेस : मुख्यमंत्री मोहन यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भोपाल/भाषा। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने मंगलवार को कहा कि हर विषय को हिंदू-मुस्लिम और वोट बैंक के नजरिए से देखने वाली कांग्रेस को मध्यप्रदेश में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू करने को लेकर चल रही कवायद पर अपना रुख स्पष्ट करना चाहिए। न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) रंजना प्रकाश देसाई की अध्यक्षता में गठित समिति ने सोमवार को मुख्यमंत्री को रिपोर्ट सौंपी थी, जिसमें अनुसूचित जनजातियों (आदिवासियों) को यूसीसी के दायरे से बाहर रखने की सिफारिश की गई है। मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कैलाश जोशी की जयंती पर विधानसभा परिसर में उनके छायाचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करने के बाद संवाददाताओं से चर्चा में यादव ने कहा कि समिति ने यूसीसी पर अपनी रिपोर्ट सौंप दी है, अब कांग्रेस को भी इस विषय पर अपना रुख स्पष्ट करना चाहिए। उन्होंने कहा, “चाहे यूसीसी

का मुद्दा हो या भोजशाला का, कांग्रेस हर विषय को केवल हिंदू-मुस्लिम और वोट बैंक की राजनीति के नजरिए से देखती है।

सकारात्मक बात यह है कि सभी धर्मों के नागरिकों ने यूसीसी पर अपने विचार खुलकर और स्पष्ट रूप से रखे हैं, लेकिन कांग्रेस ने अब तक अपना स्पष्ट रुख सामने नहीं रखा है।” यूसीसी को लेकर समिति की ओर से पिछले महीने भोपाल में आयोजित बैठक में कांग्रेस ने हिस्सा नहीं लिया था।

किसानों पर की गई एफआईआर तुरन्त वापस हो : एचडी देवेगौड़ा

सरकार मुझे धरने पर बैठने को मजबूर न करे



बेंगलूर। पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा ने बहुत गंभीर आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने सिद्धरामय्या को मुख्यमंत्री पद से हटाने और उन्हें मुख्यमंत्री बनाने के लिए हाईकमान को दुरि गए लालच को पूरा करने के लिए बिड़दी टाउनशिप प्रोजेक्ट हाथ में लिया है। किसान इस टाउनशिप के लिए जमीन देने से साफ मना कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि गरीब किसानों का पेट मत मारो। हाईकमान को दिए गए लालच को पूरा करने और भी कई अलग-अलग तरीके हैं। प्लीज इस प्रोजेक्ट को यहीं छोड़ दें। अगर आप प्रोजेक्ट नहीं छोड़ते हैं, तो मैं विधान सभा के बाल में महात्मा गांधी की मूर्ति के सामने धरने पर बैठूंगा। पूर्व प्रधानमंत्री ने राज्य सरकार को सीधी चेतावनी दी कि मुझे ऐसी स्थिति में न डालें।

जद(एस) पार्टी मुख्यालय जेपी भवन में संवाददाताओं संबोधित करते हुए उन्होंने कहा; जब सिद्धरामय्या मुख्यमंत्री थे, तो कोई भी अधिकारी यह कहने की हद तक नहीं गया कि वे सर्वे करेंगे। नए मुख्यमंत्री को आए एक महीना भी नहीं हुआ था, उन्होंने पहले ही अधिकारियों को छोड़ दिया और सर्वे करना और जमीन हड़पना शुरू कर दिया। देवेगौड़ा गुरसे में थे, उन्होंने कहा कि उन्हें पता है कि आपने यह प्रोजेक्ट क्यों लिया है। सिद्धरामय्या को गिराने के लिए एक

बड़ा प्लान बनाया गया था। उसके लिए हाईकमान को लुभाने के लिए कई तरह के लालच दिए गए थे। उन लालचों को पूरा करने के लिए, आपने गरीब किसानों की जमीन हड़पने शुरू कर दी है। डी.के. शिवकुमार ने हाईकमान को चुनावी फंड के बारे में भी भरोसा दिलाया है। पूर्व प्रधानमंत्री ने मौजूदा मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार पर गंभीर आरोप लगाए कि उन्होंने इस सब की भरपाई के लिए बिड़दी को चुना है। आज बिड़दी के एक गांव में जाईंट सर्वे करने गए अधिकारियों के खिलाफ किसानों ने गुरसा दिखाया है। इसलिए, मैंने एक इमरजेंसी मीडिया कॉन्फ्रेंस बुलाई है। मंडाहली नाम के उस गांव में 40 परसेंट लोग गांव छोड़कर बेंगलूर आ गए हैं। ऐसे लोग कह रहे हैं कि वे जमीन देने को तैयार हैं। पूर्व प्रधानमंत्री ने कहा उनमें से कई गांव में बसे नहीं हैं। उन सभी लोगों की जमीन सिर्फ 17 एकड़ है। 500 एकड़ जमीन वाले किसान कह रहे हैं कि वे जमीन नहीं देंगे। इसलिए, वहां हंगामा हो रहा है। उन्होंने कहा कि अगर किसी की जमीन जबरदस्ती छीन ली जाए तो गुरसा आना स्वाभाविक है।

किसानों ने उसी हिसाब से जवाब दिया है। पुलिस सुपरिटेण्डेंट का कहना है कि वे रेवेन्यू अधिकारियों के कहने पर वहां गए थे। अगर वे कानून के दायरे में काम करेंगे, तो कोई भी उनका साथ देगा। लेकिन यहां तो सरकार ने ही कानून से आगे बढ़कर काम किया है। रेवेन्यू डिपार्टमेंट के अधिकारियों की शिकायत के आधार पर पुलिस ने किसानों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है। एसपी ने यह भी कहा है कि वे डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट के निर्देश पर कार्रवाई करेंगे। जैसे इतना ही काफी नहीं था, आईजी ने भी जाकर मुआयना किया। उन्होंने कहा कि पुलिस को चोटें आई हैं। पूर्व प्रधानमंत्री देवेगौड़ा ने नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि यह कहने के बाद भी कि जमीन नहीं दी जाएगी, सर्वे करने आना क्या उचित है। जब जमीन पर कोई कब्जा करने आए तो चुप रह सकते हैं? सरकार को किसानों का दर्द समझना चाहिए। अगर महिलाओं के खिलाफ एफआईआर होगी तो उनकी ज़िंदगी कैसी होगी? सरकार को संवेदनशीलता से काम करना होगा।

उन्होंने कहा कि मैंने इस राज्य के मुख्यमंत्री को 25 जून को लेटर लिखा था। आज 14 जुलाई है। ज्यादा से ज्यादा 20 दिन हो गए हैं। मुझे लगा था कि लेटर उन तक पहुंच गया होगा। लेकिन, मुझे अभी तक जवाब नहीं मिला है कि यह उन तक पहुंचा है या नहीं। मैं एक किसान का बेटा हूं। अब मेरे पास कोई अधिकार नहीं है। मैंने एक किसान के बेटे के तौर पर विड्डी लिखी है।



वियतनाम नौका हादसे में मारे गए दंपति के पार्थिव शरीर केरल लाए गए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। वियतनाम में नौका हादसे में मारे गए केरल के दो लोगों के पार्थिव शरीर मंगलवार सुबह यहां लाए गए। कोट्टारक्करा के ए सी थॉमस (57) और उनकी पत्नी लोवेनी थॉमस (56) के शव मंगलवार सुबह तिरुवनंतपुरम हवाई अड्डे लाए गए और आधिकारिक औपचारिकताएं पूरी होने के बाद उन्हें एंथ्रुलेंस से उनके गृह नगर कोट्टारक्करा ले जाया जाएगा। यहां हवाई अड्डे के कार्गो क्षेत्र में शव सौंपने की आधिकारिक प्रक्रिया पूरी किए जाने के दौरान, गमनीय रिश्तेदार दोनों ताबूतों के आसपास खड़े रहे।

केरल के मंत्री पी सी विष्णुनाथ और सी पी जॉन के साथ कांग्रेस सांसद कोडिक्कुनिल सुरेश भी उस

समय हवाई अड्डे पर मौजूद थे जब विमान से ए सी थॉमस और उनकी पत्नी लोवेनी थॉमस के शव तिरुवनंतपुरम लाए गए। उन्होंने ताबूतों पर पुष्पचक्र अर्पित कर दंपति को श्रद्धांजलि दी। शवों को एअर इंडिया की उड़ान से मुंबई से तिरुवनंतपुरम लाया गया। वियतनाम के मीडिया की खबरों के अनुसार, शनिवार को हुए स्पीडबोट हादसे में 15 भारतीय पर्यटकों की मौत हो गई थी। मृतकों में 10 तमिलनाडु, तीन आंध्र प्रदेश और दो केरल के निवासी थे। वियतनाम के समाचार पोर्टल ‘वीएन एक्सप्रेस इंटरनेशनल’ के अनुसार, फू क्रोक द्वीप के निकट होन मे रूत नगोई क्षेत्र के पास 32 भारतीय पर्यटकों और चालक दल के चार स्थानीय सदस्यों को लेकर जा रही एक स्पीडबोट पलट गई थी। इस हादसे में 15 भारतीय पर्यटकों की मौत हो गई।

प्रत्यक्ष कर संग्रह 13 जुलाई तक 16.40% बढ़कर 6.51 लाख करोड़ रुपये पर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। चालू वित्त वर्ष में 13 जुलाई तक शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह 16.40 प्रतिशत बढ़कर 6.51 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया है। इसमें कॉरपोरेट कर संग्रह में तेजी का अहम योगदान रहा है। मंगलवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, इस अवधि में शुद्ध कॉरपोरेट कर संग्रह 22 प्रतिशत बढ़कर 2.40 लाख करोड़ रुपये हो गया। वहीं, गैर-कॉरपोरेट कर (एनसीटी) से राजस्व संग्रह, जिसमें व्यक्तियों, हिंदू अविभाजित परिवार (एचयूएफ) और फर्मों द्वारा चुकाए गए कर शामिल हैं, करीब 12 प्रतिशत

बढ़कर 3.84 लाख करोड़ रुपये से अधिक रहा। इस दौरान सरकार ने 1.22 लाख करोड़ रुपये के कर रिफंड जारी किए, जो पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 14.57 प्रतिशत अधिक है। सकल आधार पर, प्रत्यक्ष कर संग्रह 16.11 प्रतिशत बढ़कर 7.73 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया। इसमें कॉरपोरेट कर से 3.35 लाख करोड़ रुपये से अधिक और गैर-कॉरपोरेट कर से करीब 4.12 लाख करोड़ रुपये शामिल हैं। सरकार ने चालू वित्त वर्ष के बजट में 26.97 लाख करोड़ रुपये के प्रत्यक्ष कर संग्रह का लक्ष्य रखा है। यह वित्त वर्ष 2025-26 में जुटाए गए 23.40 लाख करोड़ रुपये की तुलना में 15 प्रतिशत अधिक है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

4 प्रसूताओं की मौत के लिए माजपा सरकार जिम्मेदार : खाचरियावास

6 विश्व युवा कौशल दिवस : हुनर ही भविष्य की पहचान

7 फिल्म 'रूपा' से कमबैक करेंगे गोविंदा

फास्ट टेक

भारत ने होर्मुज जलडमरूमध्य में पोत पर हमले की निंदा की

नई दिल्ली/भाषा। भारत ने होर्मुज जलडमरूमध्य में दो व्यापारिक जहाजों पर हुए हमलों की मंगलवार को कड़ी निंदा की। इन हमलों में एक भारतीय नागरिक की मौत हो गई और 10 अन्य घायल हो गए। विदेश मंत्रालय ने आज सुबह ईरान दूतावास के वरिष्ठ अधिकारी को तलब किया और इन हमलों के खिलाफ कड़ा विरोध दर्ज कराया। भारत ने कहा कि वह जलडमरूमध्य से गुजरने के दौरान 'एमटी अल बहियाह' और 'एमटी मोम्बासा' नाम के दो पोत पर हुए हमलों को लेकर 'बेहद चिंतित' है।

15-07-2026 सुबोद 6:50 बजे 16-07-2026 सुबोद 6:03 बजे

BSE 77,054.94 (-561.46) NSE 24,052.05 (-158.96)

सोना 15,108 रु. (24 केर) प्रति ग्राम चांदी 229,267 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com



केलाश मण्डेला, मो. 9828233434

सून आओ मानसून

सून पधारो तृपित धरा पर, बड़े मान से मानसून जी। पैर झुलसते पेट तप रहा, उबल रहा है आज खून जी। आशा टूट रही आषाढी, बीत गया है माह जून जी। मंहगाई की कैदी कतरे, निर्धन जन की खाल ऊन जी।।

भारत यूएनएससी में नियमों पर आधारित समुद्री व्यवस्था को प्राथमिकता देगा : जयशंकर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

संयुक्त राष्ट्र/भाषा। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा है कि भारत यह सुनिश्चित करेगा कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में समुद्री नाविकों की सुरक्षा तथा आतंकवाद के वित्तपोषण के मुकाबले सहित स्वतंत्र, खुले और नियम आधारित समुद्री व्यवस्था के मुद्दे पर उचित ध्यान दिया जाए, जिनकी आवश्यकता है। जयशंकर ने सोमवार को संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में आयोजित एक कार्यक्रम में 2028-29 के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में अस्थायी सीट को लेकर भारत के आधिकारिक अभियान को शुरू करते हुए ये टिप्पणी की। इस कार्यक्रम में संयुक्त राष्ट्र में तैनात राजदूत, राजनयिक और अधिकारी शामिल हुए थे।

भारत अब तक आठ बार यूएनएससी का अस्थायी सदस्य रहा है। पिछली बार वह 2021-22 में यूएनएससी का अस्थायी सदस्य बना था। मंत्री का यह बयान ऐसे समय में आया है, जब पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच वाणिज्यिक पोत पर हुए हमलों में कई भारतीय नाविक मारे गए हैं और कई लोगों को बचाया गया है। जयशंकर ने कहा कि भारत ऐसे समय में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की सदस्यता के लिए अपनी उम्मीदवारी पेश कर रहा है, जब दुनिया एक गहरे विरोधाभास का सामना कर रही है। उन्होंने कहा, दुनिया के पास



हमारे सामूहिक हित इसी बात में निहित हैं कि समुद्री व्यापार सुरक्षित और बिना रुकावट के जारी रहे। उन्होंने कहा कि जिन देशों के पास जरूरी क्षमताएं हैं, उन्हें समुद्री दस्युओं से निपटने के लिए सहयोग भी करना चाहिए।

इससे पहले कभी भी इतने बड़े पैमाने पर मानव कल्याण को आगे बढ़ाने की इतनी व्यापक क्षमता नहीं थी। साथ ही, हम टकराव, हिंसा और अस्थिरता का ऐसा स्तर देख रहे हैं, जिनसे वे लोग भी खतरे की जड़ में हैं, जो जो इन घटनाओं से बहुत दूर हो सकते हैं। उन्होंने कहा, इस जटिल स्थिति से निपटने के लिए संयुक्त राष्ट्र को पहल करनी होगी और सुरक्षा परिषद को दिशा दिखानी होगी। इसलिए, इसकी सदस्यता के लिए चुनाव बहुत अहम हो जाते हैं। जयशंकर ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र के प्रति भारत का नजरिया

नियमों, भरोसे और ईमानदारी के जरिए सर्वांगीण प्रगति सुनिश्चित करने से संबंधित शांति : सेक्योरिंग हॉलिस्टिक एडवांसमेंट थ्रू नॉर्मर्स, ट्रस्ट एंड इंटीग्रिटी' पर आधारित है। उन्होंने यूएनएससी कार्यकाल के लिए भारत की प्राथमिकताओं के बारे में विस्तार से बताया।

उन्होंने कहा, 'ये प्राथमिकताएं हैं - ग्लोबल साउथ' की आवाज बनना; सुधार के बाद बहुपक्षवाद को आगे बढ़ाना; भविष्य के लिए तैयार शांति-रक्षा व्यवस्था; कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई)

के गलत इस्तेमाल से पैदा होने वाले खतरों से निपटना; समुद्री इलाकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना और आतंकवाद के वित्त पोषण का मुकाबला करना।

'ग्लोबल साउथ' से तात्पर्य उन देशों से है, जिन्हें अक्सर विकासशील, कम विकसित अथवा अविकसित के रूप में जाना जाता है और ये मुख्य रूप से अफ्रीका, एशिया और लातिन अमेरिका में स्थित हैं। जयशंकर ने कहा, ऐसे दौर में जब आपूर्ति श्रृंखला हमारी अर्थव्यवस्थाओं को जोड़ती हैं, दुनिया समुद्री इलाकों की सुरक्षा पर भी तेजी से ध्यान दे रही है। उन्होंने कहा कि चुनौती की शुरुआत संबंधित अंतरराष्ट्रीय कानूनों, विशेष रूप से समुद्री कानून पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन (यूएनसीएलओएस) का अनुपालन सुनिश्चित करने से होती है।

जयशंकर ने कहा, हमारे सामूहिक हित इसी बात में निहित हैं कि समुद्री व्यापार सुरक्षित और बिना रुकावट के जारी रहे। उन्होंने कहा कि जिन देशों के पास जरूरी क्षमताएं हैं, उन्हें समुद्री दस्युओं से निपटने के लिए सहयोग भी करना चाहिए। उन्होंने कहा, खाड़ी क्षेत्र में हो रही घटनाओं से नाविकों की सुरक्षा भी एक बड़ी चिंता का विषय बन गई है। जयशंकर ने कहा कि खोज और बचाव अभियानों को बढ़ावा देना, मानवीय सहायता और आपदा राहत प्रदान करना तथा सर्वोत्तम तरीकों को साझा करते हुए दक्षता विकास को प्रोत्साहित करना - ये सभी ऐसे क्षेत्र रहे हैं, जिनमें भारत लंबे समय से सक्रिय रहा है।



कारगिल विजय हमारे अटूट संकल्प, सैन्य शक्ति का प्रतीक : राजनाथ सिंह

नई दिल्ली/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को कहा कि कारगिल युद्ध के दौरान भारतीय सैनिकों ने दुश्मन के कब्जे से हर भूभाग से गुजरते हुए 1,900 किलोमीटर की दूरी तय करेंगे। यह यात्रा 1999 के कारगिल युद्ध में विजय सुनिश्चित करने वाले भारतीय वीरों के अदम्य साहस, दृढ़ संकल्प और सर्वोच्च बलिदान को श्रद्धांजलि अर्पित करती है। यात्रा का आदर्श वाक्य है 'एक सवारी, एक राष्ट्र, एक सलाम'। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि इस अभियान के दौरान, कारगिल समर स्मारक तक मोटरसाइकिल अभियान को हरी झंडी दिखाते हुए कही। यह अभियान 1999 के ऑपरेशन विजय के 27 साल पूरे होने के मौके पर देश भर में हो रहे समारोहों का हिस्सा है।

तेरह दिवसीय शौर्य विजय यात्रा में 28 प्रतिभागी शामिल हैं। इनमें रक्षा बलों के सेवारत और

सेवानिवृत्त कर्मियों के साथ-साथ उनके परिवार के सदस्य भी शामिल हैं। ये सभी उत्तरी हिमालय के दुर्गम भूभाग से गुजरते हुए 1,900 किलोमीटर की दूरी तय करेंगे। यह यात्रा 1999 के कारगिल युद्ध में विजय सुनिश्चित करने वाले भारतीय वीरों के अदम्य साहस, दृढ़ संकल्प और सर्वोच्च बलिदान को श्रद्धांजलि अर्पित करती है। यात्रा का आदर्श वाक्य है 'एक सवारी, एक राष्ट्र, एक सलाम'। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि इस अभियान के दौरान, कारगिल समर स्मारक तक मोटरसाइकिल अभियान को हरी झंडी दिखाते हुए कही। यह अभियान 1999 के ऑपरेशन विजय के 27 साल पूरे होने के मौके पर देश भर में हो रहे समारोहों का हिस्सा है।

तेरह दिवसीय शौर्य विजय यात्रा में 28 प्रतिभागी शामिल हैं। इनमें रक्षा बलों के सेवारत और

निर्वाचन आयोग ने आंध्र प्रदेश और हरियाणा में एसआईआर की समय-सीमा बढ़ाई

नई दिल्ली/भाषा। निर्वाचन आयोग ने मंगलवार को आंध्र प्रदेश और हरियाणा में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत चल रही विभिन्न गतिविधियों की समय-सीमा बढ़ा दी। आयोग ने इस संबंध में दोनों राज्यों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों को अलग-अलग पत्र भेजे हैं। पत्र के अनुसार, हरियाणा और आंध्र प्रदेश में बूथ

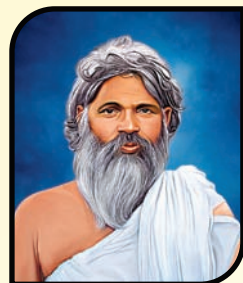
स्तरीय अधिकारियों (वीएलओ) द्वारा घर-घर जाकर सत्यापन का कार्य अब 24 जुलाई तक जारी रहेगा।

पहले इसके लिए 14 जुलाई की समय-सीमा निर्धारित थी। दोनों राज्यों में मतदाता सूची का प्रारूप पहले 21 जुलाई को प्रकाशित किया जाना था, जिसे अब बढ़ाकर 31 जुलाई कर दिया गया है।

भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौता कल से होगा लागू

नई दिल्ली/भाषा। भारत और ब्रिटेन के बीच वृहद आर्थिक एवं व्यापार समझौता (सीडीटीए) 15 जुलाई, 2026 से प्रभावी हो जाएगा। कई दौर की बातचीत के बाद 25 जुलाई, 2025 को इस समझौते पर दोनों देशों ने हस्ताक्षर किए थे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सरकार के कार्यकाल में लागू होने वाला यह छठा मुक्त व्यापार समझौता है। इससे पहले भारत मॉरीशस, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), ऑस्ट्रेलिया, यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ (ईएफटीए) और ओमान के साथ ऐसे समझौते लागू कर चुका है। भारत और ब्रिटेन के बीच हुआ यह समझौता हाल के वर्षों के सबसे महत्वपूर्ण व्यापारिक समझौतों में से एक माना जा रहा है। इसके लागू होने से भारत के लगभग 99 प्रतिशत निर्यात को ब्रिटेन के बाजार में शुल्क-मुक्त पहुंच मिलेगा।

सीडीटीए के लागू होने से परिधान, वस्त्र, जूते-चप्पल, कालीन, प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद, अनाज, सब्जियां, फल, मसाले, मछली, मांस तथा इनके प्रसंस्कृत उत्पाद जैसे क्षेत्र अब ब्रिटेन के बाजार में पूरी तरह शुल्क-मुक्त पहुंच सकेंगे। अबतक इन उत्पादों पर ब्रिटेन में चार से 16 प्रतिशत तक आयात शुल्क लगाया जाता है।



॥ ॐ ह्रीं अर्ह श्री महावीरस्वामिने नमः ॥

॥ आचार्य श्री हीरविजयसूरि सद् गुरुभ्यो नमः ॥

हैदराबाद में विमल-वर्षावास



धार्मिक-सामाजिक क्रांति का शंखनाद

पावनकारी सान्निध्य : हजारों-लाखों लोगों के दिल में आत्मगौरव और धर्मरक्षा की अलख जगाने वाले, मिथ्या मान्यताओं के भंजक, जैन एकता के प्रबल पुरुषार्थी, सामाजिक कुरीतियों के उन्मूलक, धर्मरक्षक, क्रांतिकारी ओजस्वी प्रवचनकार,



आचार्य श्री विमलसागरसूरीश्वरजी महाराज साहब

जन-जन के धर्म-प्रेरक, उपकारी कल्याण-मित्र,

गणिवर्य श्री पद्मविमलसागरजी महाराज साहब

मुनि श्री तत्त्वविमलसागरजी, मुनि श्री वीरविमलसागरजी,

मुनि श्री पुण्यविमलसागरजी, मुनि श्री तीर्थविमलसागरजी

☆☆☆ मंगल प्रवेश कार्यक्रम ☆☆☆

- वर्षावास के लिये मंगल प्रवेश : वि सं 2082, आषाढ़ शुक्ल 2, गुरुवार, 16 जुलाई 2026
- अल्पाहार : प्रातः 7.00 से 8.00 बजे तक (श्री महावीर भवन, फीलखाना में)
- सामैया (सांबेला) : प्रातः 8.00 बजे (श्री महावीरस्वामी जिनालय, फीलखाना से)
- स्वागत समारोह (धर्मसभा) : प्रातः 9.00 से 10.30 बजे तक (जगद्गुरु हीरसूरी वाटिका, Exhibition Ground, Pavilion No. 2, MJ Road, Nampally, Hyderabad)
- श्री महावीर भवन में मंगल प्रवेश : प्रातः 11.00 बजे
- श्रीसंघ स्वामीवात्सल्य : प्रातः 11.30 बजे से (एग्जिबिशन ग्राउंड में)

• मुख्य संयोजक : मोहनलाल बागरेचा • संयोजक : सुरेन्द्र भंडारी, अमृतलाल भोजाणी

• सह संयोजक : गौतमचंद बागरेचा, अशोककुमार बंदायुथा, अशोककुमार विनायकिया, गौतमचंद श्रीश्रीमाल झोटा • कोषाध्यक्ष : दिलीपकुमार श्रीश्रीमाल, बाबूलाल बागरेचा

• सदस्यगण : धीरजकुमार चौधरी, आकाशकुमार बागरेचा, महेंद्रकुमार सिंघी, भंवरलाल बागरेचा, दिनेशकुमार देवड़ाधोका, बाबूलाल सालेचा, प्रकाशचंद पोमाणी, प्रवीणकुमार विनायकिया, विक्रमकुमार श्रीश्रीमाल

तत्वावधान : श्री महावीरस्वामी जैन धेतांबर संघ, फीलखाना

निमंत्रक : कल्याणकारी तपागच्छ वर्षावास समिति, हैदराबाद

23वीं पुण्यतिथि पर हार्दिक श्रद्धासुमन



स्व. भंडारी घेवरचन्दजी बुधमलजी, सायला निवासी

आपकी यादों के चिराग हमारे दिलों में हमेशा जलते रहेंगे। प्रण यही है हमारा आपके प्रदर्शित पथ पर हमेशा चलते रहेंगे। हे आदरणीय अर्पित है, विनम्र हृदय से भावांजलि। स्वीकार करें हे पुण्य आत्मा, हम सबकी यह श्रद्धांजलि।।

श्रद्धांजलि

पुत्र-पुत्रवधु : अशोक मीना, प्रवीण डिम्पल, रमेश-रेखा, विमल-कविता, आनंद कीर्ति पौत्र-पौत्रवधु : रितेश-निकिता, ऋषभ-स्वीटी, अजितेश-अरुणा, रोहन-शेखा, वंश-श्रद्धा पौत्रियां : पलक, साक्षी, अनन्या, कश्वी पड़पौत्री : नियती, मोक्षा, पड़पौत्र : दिवीत, चहित, आर्या, निवान, जैनम एवं समस्त भंडारी परिवार, सायला (बेंगलूरु)

पुत्री-दामाद : सुशीला-जुठमलजी सेठ, भाग्यश्री-राजेशजी जैन, पौत्री-दामाद : ईशा-राहुलजी सालेचा, रुचिका-चेतनजी सुराणा, राशि-अरिहंतजी चोरडिया दोहिता-दोहितावधु : अभिषेक-गुणवंती सेठ, स्पर्श-श्रुति जैन, दोहित्री-दामाद : रसना-सिद्धार्थजी छाजेड़, कृति-अविजी भंडारी पड़दोहित्री-दोहित्र : ख्याति, जियाना, दिव्यम सालेचा, मलंक, निर्वी सेठ, प्रिंशी, समवित छाजेड़, प्रवि सुराणा

फर्म ■ GAYATRI INDUSTRIES ■ MARUDHAR ENTERPRISES (INDIA), Bangalore



कठिनाइयाँ हमें तोड़ने नहीं, मजबूत बनाने आती धैर्य बनाए रखें, विश्वास कमी न खोएं, जीत अवश्य मिलेगी।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मालामाल नहीं, यह कंगाल बनाने का दांव

मध्य प्रदेश के ग्वालियर में एक सीए से 2.1 करोड़ रुपए से ज्यादा की ठगी का मामला इस बात की पुष्टि करता है कि साइबर ठगों द्वारा उच्च शिक्षित लोगों को भी बड़ी आसानी से धोखा दिया जा सकता है। लगभग 70 साल के इन सीए ने अपने जीवन में कई वित्तीय मामलों सुलझाए होंगे, लेकिन युद्धावस्था में आकर ये खुद ऐसे फेर में पड़ गए कि जीवनभर की बचत गंवा बैठे। सीए, जज, वकील, डॉक्टर, शिक्षक, वैज्ञानिक – ये कुछ ऐसे पेशे हैं, जिनके बारे में माना जाता है कि इन्हें अन्य लोगों से ज्यादा ज्ञान होता है। आश्चर्य की बात है कि इन लोगों के साथ साइबर ठगी की कई घटनाएं हो चुकी हैं। ग्वालियर में सीए को ठगने के लिए अपराधियों ने जो तरीका अपनाया, वह काफी पुराना है। उसके बाद तो कई और तरीके आ चुके हैं। वे भी पुराने हो गए हैं। संभवतः सीए ने उनके बारे में न कभी सुना होगा, न कभी पढ़ा होगा। अगर उन्हें इसकी जानकारी होती तो इतनी बड़ी रकम गंवां की नौबत ही न आती। हर व्यक्ति को इस तरीके के बारे में मालूम होना चाहिए, खासकर उन्हें, जिनके पास अच्छी-खारी बचत है। साइबर अपराधियों का एक पैंतारा उनसे सबकुछ छीन सकता है। ऐसे मामलों में संबंधित व्यक्ति के पास एक ऑनलाइन प्रस्ताव आता है- ‘हमारी योजना में निवेश करें और कई गुना मुनाफा कमाएं।’ ऐसे प्रस्ताव वॉट्सएप, टेलीग्राम और एसएमएस पर ही ज्यादा मिलते हैं, क्योंकि साइबर ठग किसी मोबाइल नंबर के आखिरी तीन अंकों में एक-एक अंक और जोड़ते हुए शिकार ढूंढते हैं। अगर वे सौ लोगों को संदेश भेजते हैं तो दर्जनभर लोग जरूर फंस जाते हैं। उन संदेशों में दावा किया जाता है कि हमारी योजना में निवेश करेंगे तो रातोंरात मालामाल हो जाएंगे।

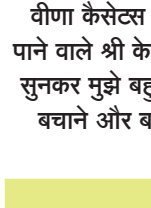
प्रायः ऐसे प्रस्तावों के साथ किसी महिला की सुंदर तस्वीर लगी होती है, जो एआई निर्मित हो सकती है। संदेश में महिला का नंबर भी दिया होता है। उससे बात करने पर वह विश्वास दिलाती है कि ‘योजना बिल्कुल सही है ... अगर अभी निवेश करेंगे तो मुनाफा ज्यादा होगा ... देर करेंगे तो घाटे में रहेंगे।’ कई पुरुष यहीं धोखा खा जाते हैं। वे लालच के साथ रुपजाल के शिकार हो जाते हैं। वे उस महिला के कहने पर अपनी शक्ति एवं सामर्थ्य के अनुसार रकम भेजते जाते हैं। साइबर ठग एक और चाल चलते हैं। वे अपने शिकार को ऑनलाइन ग्रुप में शामिल कर लेते हैं, जहां उसके मुनाफे का फर्जी विवरण पेश किया जाता है। जो साइबर ठग तकनीकी रूप से ज्यादा सक्षम होते हैं, वे वेबसाइट बनाकर अपने शिकार को यह विश्वास दिलाते हैं कि आपका निवेश सुरक्षित है और मुनाफे में बढ़ोतरी हो रही है। इसके बाद नया खेल शुरू होता है। जब व्यक्ति देखता है कि वह मालामाल हो गया है तो रकम निकालने की कोशिश करता है। तब उसे बताया जाता है कि ‘यह रकम ऐसे नहीं निकलेगी ... अभी थोड़ा और निवेश करें।’ वह महिला उसे विश्वास दिलाती रहती है कि थोड़ा-सा निवेश और करते ही पूरी रकम आपके बैंक खाते में भेज दी जाएगी। कुछ लोगों को रकम का बहुत छोटा हिस्सा लौटाया भी जाता है, ताकि वे शक न करें। साइबर ठग अलग-अलग बहाने से रकम मांगते रहते हैं। आखिर में, जब उस व्यक्ति के पास कुछ नहीं बचता, तब वह पुलिस से मदद मांगता है। ये उच्च शिक्षित लोग ऐसी योजनाओं के चक्कर में फंसने के बजाय यह क्यों नहीं सोचते कि जो व्यक्ति मुझे मालामाल बनाने का दावा कर रहा है, उसे मुझसे ही रुपए मांगने की जरूरत क्यों पड़ रही है? यह खुद मालामाल नहीं हुआ, लेकिन मुझे बना देगा! ऐसा कैसे संभव है? स्पष्ट है कि दाल में काला नहीं, बल्कि दाल ही काली है। ऐसी निवेश योजनाओं से बचकर रहें, अन्यथा पछतावे के सिवा कुछ नहीं बचेगा।

ट्वीटर टॉक



बुटाटी धाम प्रकरण पर कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा का बयान स्वयं कांग्रेस की सच्चाई उजागर करता है। जब उन्होंने खुद स्वीकार किया कि बुटाटी धाम के प्रबंधन में कांग्रेस से जुड़े लोग रहे हैं और वर्तमान अध्यक्ष भी कांग्रेस पार्षद के पति हैं।

-मदन राठौड़



वीणा कैसेट्स के फाउंडर और ‘राजरस्थान रत्न’ सम्मान पाने वाले श्री केसरी चंद मालू जी के गुजर जाने की खबर सुनकर मुझे बहुत दुख हुआ। राजस्थानी लोक संगीत को बचाने और बढ़ावा देने में उनका बहुत कीमती योगदान हमेशा प्रेरणा देता रहेगा।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत



भारतीय जनता पार्टी के सीनियर नेता, कर्नाटक सरकार के पूर्व मंत्री और जनसेवा के लिए समर्पित व्यक्तित्व, आदरणीय श्री रामचंद्र गोड़ा जी के निधन की खबर बहुत दुखद है। उनका सरल व्यवहार, कर्तव्य के प्रति समर्पण और समाज के प्रति समर्पण हमेशा प्रेरणास्रोत रहेगा।

-दिया कुमारी

प्रेरक प्रसंग

सपनों से सुरों का सफर

बनारस घराने की सुविख्यात दुमरी गायिका सिद्धेश्वरी देवी ने अपनी बेटी सविता देवी को संगीत की जितनी तालीम अपने जीवनकाल काल में दी, उससे भी ज्यादा अपनी मृत्यु के बाद दी थी। वे बेटी के रूपन में आकर उसे दुमरी की बंदिशों और लयकारी का अंदाज गाकर समझाती थीं। जब कभी सपने में बेटी की भेंट अपनी मां से होती, तो वह हालत न तो गहरी नींद की होती और नहीं जाग्रत अवस्था होती, बल्कि इनके बीच की तंद्रा की-सी दशा होती थी। सपने में सिखाई दुमरियों को जब सविता देवी जाग्रत रहते हुए उसी रूप में गाती, तब ऐसा मिठास भरा स्वर-ध्वनि खिलता कि गायिका व श्रोताओं दोनों की रूह को छू जाती। बनारस में एक दफा बहुत महत्वपूर्ण संगीत-सम्मेलन हुआ था, जिसमें काफी चोटी के संगीतज्ञ आमंत्रित थे। उनमें शहनाई वादक बिसमिल्ला खां जैसे दिग्गज तो थे ही, सविता देवी भी उसमें शामिल थीं। वे थोड़ी क्षितिज थीं। रात को रूपन में उसे मां ने दर्शन दिये और आभासन दिया कि, ‘तू कतई फिक्र मत कर, सब कुछ ठीक हो जाएगा।’ सविता देवी ने रूपन में यह भी देखा कि वह मां के साथ सीढ़ियां चढ़ रही है। बस, फिर आंख खुल गयी।

बाल मुकुन्द ओझा

विश्व युवा कौशल दिवस हर साल 15 जुलाई को दुनियाभर में मनाया जाता है। इस दिवस का उद्देश्य युवाओं को कौशल विकास के क्षेत्र में आत्मनिर्भर और जागरूक बनाने के लिए किया जाता है। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने वर्ष 2014 में युवाओं को रोजगार, अच्छे कार्य और उद्यमिता के लिए कौशल से लैस करने के रणनीतिक महत्व को मनाने के लिए 15 जुलाई को विश्व युवा कौशल दिवस के रूप में घोषित किया था। 15 जुलाई 2026 को विश्व युवा कौशल दिवस की 11 वीं वर्षगांठ है। इस दिवस की शुरुआत इसलिए की गई ताकि वैश्विक स्तर पर कौशल की कमी की ओर ध्यान दिया जा सके, जो कई युवाओं को अच्छे रोजगार पाने और समाज में पूरी भागीदारी से वंचित करती है। आज की तेजी से बदलती दुनिया में, शिक्षा के साथ-साथ व्यावहारिक कौशल का होना जरूरी है। तकनीकी प्रगति, वैश्विक अर्थव्यवस्था और बदलते कार्यस्थलों के कारण युवाओं को लगातार नए कौशल सीखने और अपने मौजूदा कौशल को निखारने की जरूरत है। एक रिपोर्ट के अनुसार, लगभग 26.7 करोड़ युवा एनईईटी (नौट) यानि रोजगार, शिक्षा या प्रशिक्षण में नहीं है की श्रेणी में हैं, और यह संख्या 27.3 करोड़ तक पहुँचने की सम्भावना व्यक्ति की जा रही है। यह दिवस यह भी शर्ताता है कि कौशल विकास सतत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति, गरीबी उन्मूलन और आर्थिक वृद्धि के लिए



आवश्यक है। यह तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा को युवाओं के बेहतर भविष्य के लिए एक सशक्त माध्यम के रूप में प्रोत्साहित करता है। हुनर ही भविष्य की सबसे बड़ी पहचान है। हर नई स्किल सफलता का मार्ग खोलती है। सीखना सतत जारी रखना होगा। आज का कौशल, कल की ताकत है। मेहनत और हुनर कभी व्यर्थ नहीं जाते। कौशल ही रोजगार का सबसे मजबूत आधार है।

भारत की तेजी से बढ़ती आबादी का 65 प्रतिशत हिस्सा 35 वर्ष से कम आयु का है, और उनमें से कई लोगों के पास आधुनिक अर्थव्यवस्था के लिए आवश्यक कौशल का अभाव है। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक हर साल लगभग एक करोड़ युवा कार्यबल में प्रवेश करते हैं और उनमें से केवल आधे ही रोजगार के योग्य माने जाते हैं, ऐसे में कौशल-आधारित, उद्योग-केंद्रित शिक्षा मॉडल की आवश्यकता पहले कभी इतनी जरूरी

नहीं थी, लेकिन, अब इस अंतर को पाटना केवल एक आर्थिक अनिवार्यता नहीं है, यह एक राष्ट्रीय मिशन है। भारत सरकार भी युवाओं को कौशल में प्रवीण बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण योजनाएं चला रही है, जैसे प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना, स्किल इंडिया मिशन आदि। इन योजनाओं का लक्ष्य युवाओं को विभिन्न उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुसार प्रशिक्षित करना और उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है। मोदी मंत्रिमंडल ने केंद्रीय क्षेत्र योजना कौशल भारत कार्यक्रम को वर्ष 2026 तक जारी रखने और पुनर्गठन को मंजूरी दी है। कौशल भारत कार्यक्रम में प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना, प्रधानमंत्री राष्ट्रीय प्रशिक्षुता प्रोत्साहन योजना और जन शिक्षण संस्थान योजना शामिल है। वर्ष 2022-23 से 2025-26 की अवधि के लिए कौशल भारत कार्यक्रम का पर्य्यय 8,800 करोड़ रुपये है। समस्या केवल नौकरी की कमी नहीं है-बल्कि

शिक्षा प्रणाली और श्रम बाजार की जरूरतों के बीच मेल न होना है। साथ ही उचित क्रियान्वयन, उद्योग से तालमेल और नतीजों की निगरानी। कौशल विकास कार्यक्रम नतीजों में बदलने चाहिए, केवल घोषणाओं में नहीं। एक अन्य रिपोर्ट में भारत में बेरोजगारी पर गहरी चिंता व्यक्त की गई है। भारत में बेरोजगारी एक गंभीर और दीर्घकालिक समस्या है, जो तेज जनसंख्या वृद्धि, कम उत्पादकता, अशिक्षा और आर्थिक संरचनात्मक असंतुलन जैसे कारणों से उत्पन्न होती है। इसके समाधान के लिए भारत सरकार ने विभिन्न रोजगार सृजन कार्यक्रमों जैसे ग्रामीण विकास योजनाएँ, स्वरोजगार योजनाएँ और शहरी गरीबी उन्मूलन कार्यक्रम लागू किए हैं, जिन्होंने रोजगार बढ़ाने और जीवन स्तर सुधारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। भ्रष्टाचार, जागरूकता की कमी, राजनीतिक हस्तक्षेप और निजी क्षेत्र की सीमित भागीदारी जैसी चुनौतियाँ इन योजनाओं की प्रभावशीलता को प्रभावित करती हैं। इसलिए आवश्यक है कि कौशल विकास पर सही ढंग से ध्यान दिया जाये तो तो भारत बेरोजगारी की समस्या को काफी हद तक कम कर सकता है और समावेशी एवं सतत आर्थिक विकास प्राप्त कर सकता है। देश में बेरोजगारी दर तेजी से बढ़ी है। इस साल उच्च मुद्रास्फीति पर काबू पाना और लाखों लोगों के लिए रोजगार सृजित करना सरकार के लिए सबसे बड़ी चुनौती है। आज सबसे बड़ी चुनौती युवाओं को रोजगार देने व आत्मनिर्भर बनाने की है। आज का युवा अपने हक की लड़ाई लड़ रहा है। शिक्षा, रोजगार और बेहतर भविष्य के लिए आज का युवा जागरूक है और लड़ रहा है। देखना यह है क्या, कौशल विकास योजनाओं के बावजूद देश बेरोजगारी की समस्या से यूँ ही जूझता रहेगा।

ज्ञान विज्ञान

जापान में समुद्र की तलहटी में रिकॉर्ड तादाद में अदृश्य सोने की खोज

जापान के हाथ सोने का एक बड़ा भंडार लग सकता है। रिसर्चर्स ने जापान के दक्षिण-पूर्वी तट के पास समुद्र के नीचे मौजूद ज्वालामुखी क्रेटर पर ब्लैक स्मोकर चिमनी और हाइड्रोथर्मल टीले (माउंड) खोजे हैं, जो बड़ी मात्रा में सोना बना रहे हैं। ये हाइड्रोथर्मल वेंट ना केवल सोने के छोटे कण छोड़ रहे हैं बल्कि अदृश्य सोना भी बना रहे हैं, जिसे नंगी आंखों या सामान्य माइक्रोस्कोप से भी नहीं देखा जा सकता है। यह सोना समुद्र तल पर मौजूद पदार्थों के अंदर छिपा होता है। एक्सपर्ट इसे कमर्शियल अंडरवाटर सोने की खदान बनाने के लिए एक बेहतरीन जगह मान रहे हैं। वैज्ञानिकों और खोजकर्ताओं ने बताया है कि पानी के नीचे मौजूद इस क्रेटर में छिपे सोने की मात्रा दुनियाभर में अब तक दर्ज की गई सबसे ज्यादा तादाद है। यह खोज एक रिपोर्ट में तब प्रकाशित हुई, जब वैज्ञानिकों की एक अंतरराष्ट्रीय टीम ने बताया कि समुद्र तल पर सक्रिय टीलों को कमर्शियल माइनिंग (व्यावसायिक खनन) से बचाने की जरूरत है।

हिगाशी-आओगाशिमा वेंट की खोज 2015 में जापान के एक्सप्लोरिव इकोनॉमिक जोन में की गई थी। हालांकि आज तक यह पता नहीं चल पाया है कि इन हाइड्रोथर्मल क्षेत्रों में कितने समुद्री जीव रहते हैं। जापान में शिजुओका यूनिवर्सिटी, वासेडा यूनिवर्सिटी



और टोक्यो यूनिवर्सिटी के रिसर्चर्स ने मिलकर टोक्यो से 350 किलोमीटर (217 मील) दक्षिण में स्थित हाइड्रोथर्मल क्षेत्रों से चट्टानों के नमूनों का विश्लेषण किया। सेकेंडरी-आयन मास स्पेक्ट्रोमेट्री (ड्रिफ्ट चड) का इस्तेमाल करके उच्च-ग्रेड वाले अदृश्य

सोने के भंडार का पता लगाया गया है। यह सोने की कम मात्रा का पता लगाने का संवेदनशील तरीका है। सोने के छोटे नैनोकण पाइराइट के अंदर फंसे होते हैं। पाइराइट सल्फाइड मिनरल है, जो तब बनता है जब समुद्र तल से गर्म, धातु-युक्त तरल पदार्थ निकलते हैं। चमकदार बनावट के कारण पाइराइट को फूल्स गोल्ड कहा जाता है। जापान के एक्सपर्ट की स्टडी में पाया गया कि असली सोना पाइराइट के अंदर दो रूपों में मौजूद होता है। एक- सूक्ष्म नैनोकणों के रूप में और दूसरा- मिनरल के क्रिस्टल स्ट्रक्चर में समाए हुए अलग-अलग सोने के परमाणुओं के रूप में। हिगाशी-आओगाशिमा काल्डेरा में ये दोनों रूप पाए गए हैं। रिसर्चर्स के अनुसार, पानी के नीचे मौजूद क्रेटर में पाए जाने वाले पाइराइट में सोने की मात्रा अब तक दर्ज सबसे ज्यादा है। जापान में संसाधन विकास के लिए अन्य हाइड्रोथर्मल वेंट क्षेत्रों की तुलना में यह जगह अपेक्षाकृत कम गहरी है। इससे यह भविष्य में माइनिंग के लिए एक अच्छी जगह बन जाती है। समुद्र तल पर फिलहाल कोई कमर्शियल सोने की खदान नहीं है लेकिन हिगाशी-आओगाशिमा काल्डेरा तक आसान पहुंच और सोने की मात्रा ने इसे भविष्य का मजबूत दावेदार बना दिया है। वैज्ञानिक समुद्र तल के मिनरल्स से अदृश्य सोने को निकालने के लिए कियायती तरीके पर काम कर रहे हैं।

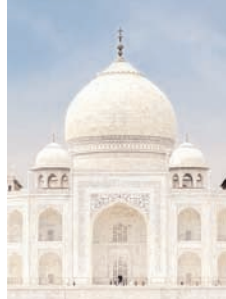
नजरिया

क्या बदलेगा ताजमहल का इतिहास?

महेन्द्र तिवारी
मोबाइल : 9989703240

भारत का इतिहास केवल अतीत का सूत्रांत नहीं है, बल्कि वह देश की सांस्कृतिक स्मृति और राष्ट्रीय पहचान का महत्वपूर्ण आधार भी है। जब किसी ऐतिहासिक स्मारक के मूल स्वरूप को लेकर प्रश्न उठते हैं तो उनका प्रभाव केवल इतिहास की पुस्तकों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि समाज, राजनीति, संस्कृति और न्याय व्यवस्था तक पहुंचता है। इन दिनों ऐसा ही एक विषय व्यापक चर्चा का केंद्र बना हुआ है। विश्व धरोहर के रूप में प्रसिद्ध ताजमहल को लेकर यह दावा किया जा रहा है कि उसका मूल स्वरूप एक प्राचीन शिव मंदिर था, जिसे तेजोमहादेव कहा जाता था। इस दावे को लेकर वर्षों से समय समय पर बहस होती रही है, लेकिन हाल के दिनों में यह विवाद एक बार फिर न्यायालय तक पहुंच गया है। इलाहाबाद उच्च न्यायालय में दायर याचिका के बाद यह विषय पुनः राष्ट्रीय विमर्श का हिस्सा बन गया है। न्यायालय ने केंद्र सरकार और भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण से इस संबंध में जवाब मांगा है। यह कदम किसी दावे की पुष्टि नहीं है, बल्कि न्यायिक प्रक्रिया के अंतर्गत सभी पक्षों का दृष्टिकोण जानने का एक आवश्यक चरण है।

इस पूरे विवाद का केंद्र अधिकांश हरिश्चंकर जैन और अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन द्वारा प्रस्तुत याचिका है। याचिकाकर्ताओं का कहना है कि ताजमहल का वास्तविक इतिहास अब तक सामने नहीं आया है और इसके मूल स्वरूप की वैज्ञानिक तथा न्यायिक जांच कराई जानी चाहिए। उनका आग्रह है कि न्यायालय की देखरेख में स्मारक का सर्वेक्षण कराया जाए, ताकि यह स्पष्ट हो सके कि वर्तमान इमारत के भीतर या उसके नीचे कोई पूर्ववर्ती धार्मिक संरचना मौजूद थी या नहीं। उनका कहना है कि यह केवल धार्मिक आस्था का विषय नहीं है, बल्कि ऐतिहासिक सत्य की खोज का प्रश्न है। दूसरी ओर भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण का वर्ण से यही आधिकारिक मत रहा है कि ताजमहल का



विवाद केवल ताजमहल की दीवारों तक सीमित नहीं है। यह इस प्रश्न से भी जुड़ा है कि किसी राष्ट्र का इतिहास किस प्रकार लिखा जाए, नए साक्ष्यों का मूल्यांकन कैसे हो और न्यायपालिका की भूमिका क्या हो। यदि किसी ऐतिहासिक दावे की जांच की मांग की जाती है तो उसका निर्णय वैज्ञानिक परीक्षण, प्रमाणिक दस्तावेजों और संवैधानिक प्रक्रिया के आधार पर ही होना चाहिए।

निर्माण मुगल सम्राट शाहजहां ने अपनी पत्नी मुमताज महल की स्मृति में कराया था और उसके मंदिर होने का कोई प्रमाण उसके अभिलेखों में उपलब्ध नहीं है। यही कारण है कि यह विवाद अब न्यायपालिका के समक्ष साक्ष्यों और कानूनी तर्कों के आधार पर विचाराधीन है।

याचिकाकर्ताओं द्वारा सबसे अधिक चर्चा में लाया गया विषय ताजमहल के बंद कमरों का है। उनका कहना है कि परिसर के निचले हिस्से में अनेक ऐसे कमरे हैं जिन्हें लंबे समय से आम लोगों के लिए बंद रखा गया है। उनका दावा है कि इन कमरों की जांच होने पर ऐसे पुरातात्विक अवशेष या धार्मिक प्रतीक मिल सकते हैं जो इस इमारत के इतिहास पर नई रोशनी डालेंगे। हालांकि इस संबंध में अभी तक कोई आधिकारिक वैज्ञानिक रिपोर्ट उपलब्ध नहीं है जो इन दावों की पुष्टि करती हो। इसलिए वर्तमान स्थिति में यह केवल याचिकाकर्ताओं का दावा है, न कि स्थापित तथ्य। न्यायालय के समक्ष भी इसी कारण सर्वेक्षण और निरीक्षण की मांग रखी गई है, ताकि अनुमान और वास्तविकता के बीच स्पष्ट अंतर स्थापित किया जा सके।

इस विवाद में बादशाहनामा का उल्लेख भी बार बार किया जा रहा है। याचिकाकर्ताओं का कहना है कि इस समकालीन मुगल दस्तावेज में राजा जय सिंह से संबंधित संपत्ति का उल्लेख मिलता है, जिससे यह संकेत मिलता है कि यमुना किनारे पहले से एक विशाल संरचना मौजूद थी। दूसरी ओर मुख्यधारा के इतिहासकार इस उल्लेख की अलग व्याख्या करते

हैं और इसे मकबरे के निर्माण के लिए भूमि अथवा संपत्ति के हस्तांतरण से जोड़ते हैं। यही कारण है कि एक ही ऐतिहासिक स्रोत की अलग अलग व्याख्याएं सामने आती हैं। इतिहास का अध्ययन केवल किसी एक पंक्ति के आधार पर नहीं किया जाता, बल्कि अनेक दस्तावेजों, पुरातात्विक साक्ष्यों, स्थापत्य शैली, अभिलेखों और समकालीन स्रोतों के संयुक्त विश्लेषण के आधार पर निष्कर्ष निकाले जाते हैं।

विवाद का एक महत्वपूर्ण पक्ष आधुनिक वैज्ञानिक तकनीकों का उपयोग भी है। आज प्राउंड पेनेट्रेटिंग रेडार, 3D आरएम स्कैनिंग, डिजिटल स्कैनिंग और अन्य आधुनिक तकनीकें बिना संरचना को नुकसान पहुंचाए उसके भीतर की जानकारी देने में सक्षम हैं। यदि न्यायालय कभी ऐसे किसी वैज्ञानिक सर्वेक्षण की अनुमति देता है, तो उससे प्राप्त निष्कर्ष इतिहास के अध्ययन में उपयोगी हो सकते हैं। विज्ञान का उद्देश्य किसी पक्ष का समर्थन करना नहीं, बल्कि उपलब्ध तथ्यों के आधार पर निष्पक्ष जानकारी देना होता है। इसलिए कई विशेषज्ञ मानते हैं कि यदि किसी विवाद का समाधान वैज्ञानिक जांच से संभव हो, तो उस विकल्प पर विचार किया जा सकता है। हालांकि ऐसा कोई निर्णय पूरी तरह न्यायालय और संबंधित संस्थाओं के अधिकार क्षेत्र में आता है। यह भी ध्यान रखना आवश्यक है कि इतिहास केवल आस्था के आधार पर नहीं लिखा जाता। इतिहास लेखन में पुरातत्व, अभिलेख, साहित्य, स्थापत्य, विदेशी यात्रियों के विवरण, समकालीन दस्तावेज और वैज्ञानिक

परीक्षण सभी का महत्व होता है। यदि किसी नई खोज से पुराने निष्कर्ष बदलते हैं तो इतिहासकार उन्हें स्वीकार भी करते हैं। विश्व के अनेक देशों में नई खुदायों और शोधों के आधार पर इतिहास की कई मान्यताओं में परिवर्तन हुआ है। इसलिए किसी भी नए दावे की जांच होना अस्वाभाविक नहीं है, लेकिन जांच पूरी होने से पहले उसे अंतिम सत्य मान लेना भी उचित नहीं माना जाता। ताजमहल विश्व की सबसे प्रसिद्ध धरोहरों में से एक है। यह न केवल भारत की पहचान है, बल्कि विश्व विरासत सूची में भी शामिल है। इसके संरक्षण की जिम्मेदारी केवल भारत की नहीं, बल्कि पूरी मानवता की साझा जिम्मेदारी मानी जाती है। इसलिए इसके संबंध में होने वाली हर कार्रवाई अत्यंत सावधानी, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और कानूनी प्रक्रिया के अनुरूप होनी चाहिए। यदि भविष्य में किसी प्रकार की जांच या सर्वेक्षण होता है, तो उसका उद्देश्य भी ऐतिहासिक तथ्यों को स्पष्ट करना होना चाहिए, न कि किसी प्रकार का वैमनस्य उत्पन्न करना।

अंततः यह विवाद केवल ताजमहल की दीवारों तक सीमित नहीं है। यह इस प्रश्न से भी जुड़ा है कि किसी राष्ट्र का इतिहास किस प्रकार लिखा जाए, नए साक्ष्यों का मूल्यांकन कैसे हो और न्यायपालिका की भूमिका क्या हो। यदि किसी ऐतिहासिक दावे की जांच की मांग की जाती है तो उसका निर्णय वैज्ञानिक परीक्षण, प्रमाणिक दस्तावेजों और संवैधानिक प्रक्रिया के आधार पर ही होना चाहिए। एक परिपक्व लोकतंत्र की यही पहचान है कि यह इतिहास से जुड़े कठिन प्रश्नों से बचने के बजाय उन्हें तथ्यों की कसौटी पर परखे। आज ताजमहल और तेजोमहालय को लेकर जो बहस चल रही है, उसका अंतिम उत्तर न्यायालय, वैज्ञानिक अनुसंधान और प्रमाणिक साक्ष्यों के संयुक्त परीक्षण से ही सामने आएगा। तब तक यह विषय इतिहास, कानून और समाज के बीच चल रहे एक महत्वपूर्ण विमर्श के रूप में देखा जाना चाहिए, जहां किसी भी निष्कर्ष तक पहुंचने से पहले धैर्य, विवेक और तथ्यपरक दृष्टि बनाए रखना सबसे अधिक आवश्यक है।

महत्त्वपूर्ण

Printed & Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4, 1st floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasadur Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. Editor-Shreekanth Parashar. ("Responsible for selection of news under PRB Act). Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वरीकृत, टैंडर एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी यह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्तरांचल की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रण एवं प्रकाशक या मालिकाना को पाठक किसी भी रूप में उत्तरादाई नहीं बना सकता। - दक्षिण भारत राष्ट्रमत



गांधीनगर में जीतो नॉर्थ के नए वर्ल्ड क्लास कार्यालय का हुआ उद्घाटन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूर। जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन (जीतो) नॉर्थ चैंप्टर फाउंडेशन के गांधीनगर स्थित अत्याधुनिक 8,000 वर्गफीट के नूतन कार्यालय का उद्घाटन देशभर से आए जीतो अपेक्स, विभिन्न राष्ट्रीय विस्स के पदाधिकारी, दानदाताओं, प्रायोजकों की उपस्थिति में उत्साहपूर्ण वातावरण में हुआ।

प्रायोजकों ने विभिन्न प्रकल्पों का किया उद्घाटन

नूतन कार्यालय का उद्घाटन आरके ग्रुप ऑफ कम्पनीज के एसएम राजेन्द्र कुमार, अनीता, यश, श्रेया छाजेड़ परिवार ने फीता काटकर किया। माइक्रो लेब्स ऑडिटोरियम का उद्घाटन माइक्रो

लेब्स के भवरीबाई घेवरचंद, दिलीप आनंद सुराणा परिवार, लॉबी एवं बोहरा-कटारिया फूड कोर्ट का उद्घाटन बीजी भंवरलाल एंड सन्स के संघवी इंदरचंद रमेशचंद, मंगलचंद, प्रदीप एवं राहुल बोहरा तथा वैष्णोदेवी ग्रुप ऑफ कंपनीज के मधु-विमल, कशिश-चिराग एवं यश कटारिया परिवार, एकजीक्यूटिव बोर्ड रूम का उद्घाटन मान्यता वालमार्क ग्रुप के संघवी शांतिदेवी पुखराज गुलेच्छा परिवार, चेयरमैन चेंबर का उद्घाटन ओसवाल मिनरल के श्रीपाल कुमार, विमलकुमार, सुभाषचंद, भरत कुमार एवं सिद्धार्थ खिवेसरा, बोर्ड रूम का उद्घाटन आदिश्वर इंडिया लिमिटेड के संघवी पारसमल, निर्मलकुमार, गजेश एवं मानव भंडारी परिवार, एडमिन ब्लॉक का उद्घाटन एनवी एजेंसी के सुरेखा-शैलेश, शेखा-रोहन एवं डोना-सिद्धार्थ हरन परिवार, मुख्य सचिव एवं कोषाध्यक्ष कक्ष का उद्घाटन साउंडगिल्डज के सिद्धार्थ, रचना,



लाव्या-निकेत पटवा परिवार, डाइनिंग रूम का उद्घाटन गुरु पुनवानी प्रॉपर्टीज के हनुमानमल, संजय बैद, संघवी शांतिलाल एवं विकास बोहरा परिवार ने किया।

राष्ट्रीय पदाधिकारियों ने नए कार्यालय को बताया लेंडमार्क

उद्घाटन के मौके पर अपेक्स के चेयरमैन पृथ्वीराज कोठारी ने कहा

कि यह नूतन कार्यालय केवल एक भवन नहीं, बल्कि संगठन की दूरदृष्टि, सेवा, समर्पण एवं भविष्य की योजनाओं का सशक्त केंद्र है। राष्ट्रीय अध्यक्ष विजय भंडारी ने कहा कि यदि संगठन निर्माण और इतिहास रचने की प्रेरणा लेनी हो तो जीतो बेंगलूर नॉर्थ से सीखना चाहिए।

इसके अलावा अपेक्स उपाध्यक्ष हिमांशु शाह ने कहा कि आधुनिक सुविधाओं से युक्त यह परिसर आने

वाले वर्षों में जीतो की राष्ट्रीय गतिविधियों, नवाचारों एवं समाजोपयोगी प्रकल्पों का प्रमुख केंद्र बनेगा। जीतो नॉर्थ के चेयरमैन विमल कटारिया ने सभी का स्वागत किया।

इस मौके पर कार्यालय निर्माण एवं संपूर्ण परियोजना के सफल क्रियान्वयन में सहयोग देने वाले पारस भंडारी, नूतन कार्यालय के निर्माण में उदार सहयोग के लिए दिलीप आनंद सुराणा का सम्मान

किया गया। इस अवसर पर जीतो की माइनॉरिटी पहल से संबंधित एक विशेष पुस्तक का भी लोकार्पण किया गया। उद्घाटन समारोह के उपरान्त जीतो एपेक्स चेयरमैन पृथ्वीराज कोठारी की अध्यक्षता में नूतन कार्यालय में बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई।

देश भर से बड़ी संख्या में उपस्थित थे अतिथि

उद्घाटन के मौके पर नरेंद्र श्रीश्रीमाल, कमलेश सोजतिया, श्रीपाल बच्छावत, महावीर चपलोट, सम्पत चपलोट, धर्मेन्द्र जैन, नरेंद्र सामर, प्रदीप बाफना, दिलीप जैन, रमन अक्षिन जैन, राजेंद्र जैन, संजीव छाजेड़, तेजराज गुलेवा, राजेंद्र गांधी, पारस भंडारी, अशोक नागौरी, इन्द्रचंद बोहरा, विनोद पोखरना, महावीर मेहता, प्रमोद

भंडारी, उ प्रवीण शाह, भेरुमल भंडारी, पुष्पक जैन, रणजीत सोलंकी, विनोद बाकलीवाल, हर्षवर्धन जैन, महावीर संघवी, लक्ष्मी बाफना, रक्षा छाजेड़ और अनीश भोजानी उपस्थित थे आदि उपस्थित थे।

नार्थ चैंप्टर के उपाध्यक्ष कमल पूनमिया, प्रमित बाफना, मुख्य सचिव विजय सिंघवी, मंत्री अशोक भंडारी, प्रीतिश जैन, कोषाध्यक्ष नरेंद्र आच्छा, प्रदीप चौहान, राकेश पोखरना, सुरेश गन्ना, सुनील लोढ़ा, दिनेश लोढ़ा, शेखर जैन, निवेश जैन, पंकज जैन, विनोद नंदावत, रमेश दक, दिनेश खिवेसरा, नेमीचंद दलाल, अरविन्द टपरावत ने विभिन्न व्यवस्था संभाली। नार्थ चैंप्टर के उपाध्यक्ष दिनेश बाफना एवं मंत्री मदन मुणोत ने कार्यक्रम का संचालन किया।

कार्यालय संयोजक रमेश बोहरा ने सभी को धन्यवाद दिया।

वी पार्क आवासीय परियोजना में प्लैट बुक कराने की अंतिम तिथि आज

जयपुर/दक्षिण भारत। जयपुर में वी पार्क आवासीय परियोजना को अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है। कंपनी ने बताया कि मुख्यमंत्री जन आवास योजना (प्रावधान-3ए) के तहत विकसित इस परियोजना में प्लैट बुक कराने के लिए ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 15 जुलाई है।

कंपनी के अनुसार, जेडीए अनुमोदित एवं रेरा पंजीकृत उक्त परियोजना में 90 प्रतिशत तक होम लोन सुविधा का प्रावधान है। ये प्लैट आधुनिक सुविधाओं से युक्त हैं। यहां क्लब हाउस, स्विमिंग पूल, जिम, मल्टीपर्पज हॉल, बच्चों के



लिए खेल क्षेत्र, इंडोर गेम्स जैसी कई सुविधाएं हैं। प्लैट बुक कराने और परियोजना से संबंधित

जानकारी लेने के लिए वेबसाइट वीपार्कसीएमजेएआई.इन देख सकते हैं।



कैलाश बने पारीक समाज कर्नाटक के नए अध्यक्ष, रमेश बने सचिव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूर। स्थानीय पारीक समाज कर्नाटक की साधारण सभा आरआरनगर स्थित एक होटल में सम्पन्न हुई जिसमें समाज की नई कार्यकारिणी समिति का गठन किया गया। अध्यक्ष पृथ्वीराज पारीक, रामकिशोर तिवारी, राधेश्याम जोशी, रामवतार जोशी एवं कैलाश जोशी ने भगवान पारशर के चित्र के समक्ष दीप

प्रज्वलित किया। पृथ्वीराज पारीक ने अध्यक्षीय संबोधन दिया एवं सचिव रामवतार जोशी ने मंत्री प्रतिवेदन तथा कोषाध्यक्ष राधेश्याम जोशी ने आय व्यय का व्यौरा प्रस्तुत किया। चुनाव अधिकारी सुभाष जोशी ने चुनाव प्रक्रिया को समझाते हुए निर्विरोध रूप से चयनीत नई कार्यकारिणी समिति की घोषणा की जिसमें अध्यक्ष पद के लिए कैलाश जोशी, उपाध्यक्ष रामवतार जोशी, सचिव रमेश पारीक, कोषाध्यक्ष राधेश्याम जोशी, सहसचिव

मदनलाल पारीक, सहकोषाध्यक्ष रामनिवास पारीक एवं मनोनीत सदस्य विमलेश जोशी शामिल थे। कार्यकारिणी सदस्य के रूप में अकित पारीक, अजीत पारीक, विष्णु पारीक, संतोष आनन्द जोशी, अमित शर्मा, अरुण पारीक, संजय पारीक, अंजनी व्यास का चयन किया गया। संचालन विमलेश जोशी ने किया। रामवतार जोशी ने सभी को धन्यवाद दिया। नवनिर्वाचित कार्यकारिणी समिति का माला पहनाकर स्वागत किया गया।

अवैध तरीके बांग्लादेशी नागरिकों को रोजगार दिलाने के आरोप में तीन गिरफ्तार

मंगलूर। कर्नाटक के मंगलूर शहर में अवैध तरीके से रह रहे बांग्लादेशी नागरिकों को नौकरी दिलाने के आरोप में तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने मंगलूर को यह जानकारी देते हुए बताया कि प्रारंभिक जांच के अनुसार, आरोपी उत्तर भारत के विभिन्न राज्यों से मजदूरों को मंगलूर ला रहे थे। पुलिस ने बताया कि पश्चिम बंगाल

के मोइदीन इस्लाम, रसूल इस्लाम और दिलावर हुसैन के खिलाफ बांग्लादेशियों को अवैध रूप से यहां लाकर उन्हें काम दिलाने के आरोप में मामला दर्ज किया गया है। ये सभी आरोपी पश्चिम बंगाल के रहने वाले हैं। आरोपियों पर बांग्लादेशी नागरिकों को भी अवैध रूप से लाने और उन्हें विभिन्न निर्माण स्थलों पर काम पर लगाने का भी आरोप है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत



साधारण सभा आयोजित

बेंगलूर के तेरापंथ महिला मंडल, राजराजेश्वरीनगर की साधारण सभा तेरापंथ भवन में सम्पन्न हुई। अध्यक्ष मंजू बोधरा ने सभी का स्वागत किया। पूर्व अध्यक्ष सुमन पटवारी ने संविधान-वाचन किया। मंत्री वंदना भंसाली ने वर्षभर की विविध गतिविधियों की जानकारी दी। कोषाध्यक्ष सुधा दुगड़ ने आय-व्यय विवरण प्रस्तुत किया। कन्या मंडल द्वारा मर्यादा हमारी पहचान बने विषय पर प्रस्तुति दी गई। आध्यात्मिक एवं व्यावहारिक जीवन-मूल्यों, तेरापंथ और मर्यादा तथा आधुनिक परिवेश में मर्यादा के महत्व पर सारगर्भित विचार प्रस्तुत किए गए। हेमलता सुराणा ने धन्यवाद दिया।



जीतो साउथ लेडीज विंग ने ब्रेड बास्केट का आयोजन किया

बेंगलूर/दक्षिण भारत। जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन (जीतो) साउथ लेडीज विंग द्वारा आत्मनिर्भर प्रकल्प के अंतर्गत छोटे घरेलू व्यवसायों को बढ़ावा देने की दिशा में ब्रेड बास्केट बेकिंग कार्यशाला का आयोजन किया। चेयरपर्सन बबीता रायसोनी ने सभी का स्वागत किया। उन्होंने बताया कि 'ब्रेड बास्केट' केवल एक बेकिंग क्लास नहीं, बल्कि एक ऐसा मिशन है जो महिलाओं को हुनर, आत्मविश्वास और रोजगार के अवसर प्रदान करेगा। संस्था का उद्देश्य केवल प्रशिक्षण देना नहीं, आवश्यकता अनुसार महिलाओं को

व्यवसाय प्रारंभ करने के लिए आवश्यक उपकरण उपलब्ध कराने का भी प्रयास किया जाएगा। साथ ही उन्हें निर्माताओं, कच्चे माल के आपूर्तिकर्ताओं तथा दुकानदारों से जोड़कर व्यवसाय की शुरुआत में हरसंभव सहयोग प्रदान किया जाएगा। कार्यशाला में अनुभवी बेकिंग प्रशिक्षिका चंदा पोमानी ने प्रतिभागियों को सेंडविच ब्रेड, फ्रूट केक, पिज्जा बेस, बर्गर बन, लड़ी पाव, सबवे बन सहित अनेक लोकप्रिय बेकरी उत्पाद बनाने का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया। मुख्य सचिव निधि पालरेखा ने धन्यवाद दिया।

सेवाकार्य :

दक्षिण भारत राष्ट्रमत



बेंगलूर के अलसूर बेतावर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ के सत्वाधान में अमावस्या के मौके पर नवकार बहू मंडल ने मेट्रो स्टेशन के पास अन्नदान किया। संघ के अध्यक्ष धनपतराज बोहरा व मंत्री अभय कुमार बांदिया ने अन्नदान सेवा की शुरुआत की। इस अवसर पर महिला मंडल के अध्यक्ष आशा बाई बोहरा के साथ महिला व युवक संघ के अनेक सदस्यों ने अन्नदान सेवा में सहयोग दिया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत



'गोवा गेटअवे 2026'

बेंगलूर के जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन (जीतो) नॉर्थ लेडीज विंग द्वारा आयोजित चार दिवसीय गोवा गेटअवे 2026 सम्पन्न हुआ। 30 महिला सदस्याओं ने इस विशेष यात्रा में भाग लेकर प्रकृति दर्शन, मनोरंजन एवं आपसी सौहार्द से भरपूर अविस्मरणीय अनुभव प्राप्त किए। चेयरपर्सन लक्ष्मी बाफना एवं मुख्य सचिव रक्षा छाजेड़ के नेतृत्व में संयोजिका बिंदु नाहर तथा सह संयोजिका सारिका जैन ने संपूर्ण यात्रा की योजना, आवास, भ्रमण एवं सभी व्यवस्थाओं का उत्कृष्ट संचालन किया।

इनरवियर ट्रेड फेयर में शामिल होने के लिए राज्यपाल को दिया आमंत्रण

बेंगलूर/दक्षिण भारत। कर्नाटक इनरवियर एसोसिएशन (किया) बेंगलूर के एक प्रतिनिधिमंडल ने मंगलवार को



लोकाभवन में कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोट से शिष्टाचार भेंट की तथा उन्हें 21 से 23 जुलाई तक बेंगलूर पैलेस ग्राउंड पर आयोजित होने वाले तीन दिवसीय कर्नाटक

इनरवियर ट्रेड फेयर में मुख्य अतिथि व उद्घाटन कर्ता के रूप में शामिल होने का निवेदन किया। प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल को ट्रेड फेयर की विस्तृत जानकारी दी और बताया कि यह आयोजन उद्योग से जुड़े निर्माताओं, वितरकों, ब्रांड्स एवं व्यापारियों के लिए एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय व्यापारिक मंच होगा। मेले में नवीन उत्पादों का प्रदर्शन, व्यापारिक नेटवर्किंग, नए व्यावसायिक अवसरों का सृजन तथा उद्योग जगत से जुड़े विशेषज्ञों के बीच विचार-विमर्श होगा। प्रतिनिधिमंडल में एसोसिएशन के अध्यक्ष महावीरचंद मेहता, उपाध्यक्ष अश्विन सेमलानी, उपाध्यक्ष गौरव शर्मा, कोषाध्यक्ष राजेश चोपड़ा, संयुक्त कोषाध्यक्ष विनोद चौहान सहित अन्य पदाधिकारी शामिल थे।

माहेश्वरी महिला संगठन
(माहेश्वरी सभा, बेंगलूर के अन्तर्गत)

महिला संकल्प मेला

सशक्त महिलाएं, समृद्ध परिवार, सशक्त भारत

दिनांक : 15 जुलाई 2026, बुधवार

सुबह 9.00 बजे से रात 9.00 बजे तक

स्थल : **माहेश्वरी भवन**
ओकलीपुरम, बेंगलूर

परिधान व जातीय पहनावा

गृह सज्जा व हस्तकला

महिला उद्यमियों का समर्थन

महिला सशक्तिकरण

सहयोग और स्वावलंबन

स्थानीय के लिए वोकल

चटपटे व्यंजन

आप सभी सादर आमंत्रित हैं। जरूर जरूर पधारें!

अध्यक्षा : **विजयलक्ष्मी सारडा** सचिव : **शोभा भूताड़ा**

समस्त सलाहकार एवं कार्यकारिणी सदस्य

FREE ENTRY

Chief Guest : **DR. SOUMYA HOLLA**
MS (General Surgery),
MRCS (Glasgow)
Fellowship in Breast Cancer

HOURLY LUCKY DRAW